भारत का 44वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह
(भारतीय सिनेमा के शताब्दी समारोह)

भारत का 44वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (आईएफएफआई) गोवा में 20 और 30 नवंबर 2013 के बीच आयोजित किया जायेगा। इस वर्ष भारतीय सिनेमा के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस समारोह का अपना विशेष महत्व है। इस अवसर को यादगार बनाने के वास्ते सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक नया शताब्दी पुरस्कार शुरू किया है। शताब्दी पुरस्कार भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए फिल्म जगत के किसी जाने माने प्रतिष्ठित व्यक्ति को हर साल आईएफएफआई में प्रदान किया जायेगा। यादगार समारोह की श्रृंखला में सरकार द्वारा स्थापित यह दूसरा पुरस्कार है।

आईएफएफआई का 44वां समारोह कई मायनों में विशिष्ट है। पहली बार दो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म हस्तियां, सुश्री सुसान सारांडॉन और प्रतिष्ठित ईरानी फिल्म निर्माता श्री माजिदमाजिदी उद्घाटन समारोह के अवसर पर मौजूद रहेंगे। यह पहलू भारत की एक विनम्र ताकत के तौर पर बढ़ते महत्व को दर्शाता है। 44वें फिल्म समारोह में पहली बार नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नामतः मंडेला और लैच वालेसा पर फिल्में प्रदर्शित करने का भी अवसर प्रदान करेगा। लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड जाने–माने चेक फिल्म निर्देशक, श्री जिरि मेन्ज़ेल को प्रदान किया जाएगा, जिनकी फिल्मों को चेक न्यू वेव सिनेमा के तौर पर मान्यता प्राप्त है। स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले भारत के महान सेनानी बाशा खान पर भी एक फिल्म समारोह के दौरान अफगान निर्देशक द्वारा निर्देशित और निर्मित फिल्म के साथ–साथ दिखाई जाएगी। समारोह के समापन समारोह में जानीमानी हॉलीवुड अभिनेत्री सुश्री मिशेल यिओ मुख्य अतिथि होंगी। समारोह में पहली बार भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों से संबंधित सिनेमा पर प्रकाश डाला जाएगा।

समारोह में बच्चों से संबंधित मुद्दों पर फिल्म निर्माण के आधुनिक पहलुओं को भी संबद्ध किया जाएगा। बाल फिल्म समारोह हैदराबाद में 14–20 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रतिस्पर्धा एनीमेशन खण्ड पर फ़ोकस किया जाएगा। इस बार भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षों की स्मृति में सर्वश्रेष्ठ भारतीय बाल फिल्मों का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली और बेहतरीन भारतीय फिल्में दिखाई जाएंगी। एनीमेशन खण्ड पर विशेष ध्यान दिया गया है और पहली बार एनीमेशन फिल्मों के लिए अलग प्रतिस्पर्धा खण्ड की श्रेणी शुरू की गई है। समारोह के लिए ''नन्हें निर्देशक' खण्ड हेतु भारत और विश्व भर से बाल निर्मित रिकार्ड संख्या में 123 फिल्में प्राप्त हुई हैं। ये फिल्में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोहों से प्राप्त की गई हैं। बाल फिल्म समारोह में चेक गणराज्य की फिल्मों पर सिंहावलोकन प्रस्तुत किया जाएगा।

इस साल के समारोह के मुख्य आकर्षण में उद्घाटन फिल्म–द डोन जौन्स और समापन रात्रि फिल्म–मंडेलाः लोंग वाक टू फ्रीडम शामिल है।

पहला भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के संरक्षण में फिल्म प्रभाग, भारत सरकार ने आयोजित किया था। 24 जनवरी से 1 फरवरी 1952 तक आयोजित समारोह को बाद में मद्रास, दिल्ली और कलकत्ता ले जाया गया। कुल मिलाकर इसमें करीब 40 फ़ीचर्स और 100 लघु फिल्में रखी गईं थी। दिल्ली में समारोह का उद्घाटन 21 फरवरी 1952 को प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

1952 में इसकी शुरूआत से लेकर ये समारोह भारत में अपनी तरह का सबसे बड़ा कार्यक्रम बना हुआ है। बाद में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह नई दिल्ली में आयोजित किये गये। जनवरी 1965 में तीसरे आयोजन से यह समारोह प्रतिस्पर्धात्मक हो गया। 1975 में फिल्मोत्सव, ग़ैर–प्रतिस्पर्धी रूप में और वैकल्पिक तौर पर अन्य फिल्म निर्माता शहरों में आयोजित किया जाने लगा। बाद में फिल्मोत्सव का भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में विलय हो गया। वर्ष 2004 में आईएफएफआई गोवा चला गया। तब से यह समारोह एक वार्षिक कार्यक्रम और प्रतिस्पर्धात्मक श्रेणी में आयोजित किया जाने लगा है।

2....

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का उद्देश्य विश्व के सिनेमाओं के लिए फिल्म कला की उत्कृष्टता को दर्शाने, विभिन्न राष्ट्रों की उनके सामाजिक और सांस्कृतिक लोकनीतियों के संदर्भ में फिल्म संस्कृतियों को समझने और गुण दोष की विवेचना करने, और दुनिया के लोगों के बीच मैत्री एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त मंच उपलब्ध करवाना है। समारोह के संस्थापक सिद्धांतों का केंद्रबिंदु सभी शैलियों के फिल्म निर्माण की खोज़, प्रोत्साहन और समर्थन पर है–इस तरह वह रूपों, सौंदर्यशास्त्र और विषयों की विविधता को एक साथ जोड़ता है। समारोह लोगों और राष्ट्रों का एक ऐसा आयोजन है जहां विश्व के महान फिल्म कलाकारों को समान स्तर की उभरती प्रतिभाओं से परस्पर मुलाकात करने का अवसर प्राप्त होता है। यह फिल्म पेशेवरों के लिए विश्व भर के फिल्म प्रेमियों के साथ रूबरू होने का भी सुंदर मंच है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का उद्देश्य भारतीय सिनेमा को प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषित करना तथा इसे बाहरी दुनिया और दर्शकों से परिचित करना है जो इस विशाल और विविधापूर्ण देश में मौजूद है। तेज़ी से हो रहे प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों के साथ, इस समारोह का महत्व भी बढ़ता ही जाएगा और यह दर्शकों तथा फिल्म निर्माताओं को एक साथ खड़ा करके और नए उभरते मीडिया की चुनौती तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रति जागरूक करने का अवसर प्रदान करेगा। नए संपर्क बढ़ेंगे, नई रणनीतियां तैयार की जाएंगी ताकि इस समारोह का प्रत्येक आयोजन विस्तारित, बृहत और समृद्ध हो सके।

समारोह में दिये जाने वाले पुरस्कार;

(i) श्रेष्ठ फिल्म:

- रू 40,00,000/- लाख का नकद पुरस्कार, जिसकी राशि निर्देशक और प्रोड्यूसर दोनों के बीच बराबर बांटी जाएगी।
- निर्देश को नकद राशि के अतिरिक्त स्वर्ण मयूर और एक प्रमाण–पत्र दिया जाएगा।
- प्रोड्यूसर को नकद राशि के अतिरिक्त एक प्रमाण–पत्र दिया जाएगा।

(ii) सर्वश्रेष्ठ निर्देशक : रजत मयूर, प्रमाण–पत्र और रू 15,00,000/- का नकद पुरस्कार।
(iii) सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष**) :** रजत मयूर, प्रमाण–पत्र और रू 10,00,000/- का नकद पुरस्कार।
(iv) सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (महिला**) :** रजत मयूर, प्रमाण–पत्र और रू 10,00,000/- का नकद पुरस्कार।
(v) विशेष ज्यूरी पुरस्कार : रजत मयूर, प्रमाण–पत्र और रू 15,00,000/– का नकद पुरस्कार किसी फिल्म (फिल्म के किसी भी पहलु के लिए जिसे ज्यूरी पुरस्कार/सम्मान प्रदान करना चाहती है) अथवा किसी व्यक्ति को (फिल्म में किये गये उसके योगदान के लिए). यदि पुरस्कार किसी फिल्म को दिया जाता है तो यह उसके निर्देश को प्रदान किया जाएगा।

<u>लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड</u>

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के अंतर्गत 10,00,000/- का नकद पुरस्कार, प्रमाण–पत्र, शाल और एक पट्टिका किसी प्रमुख फिल्म निर्माता को सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान की जाती है। इस पुरस्कार के लिए समारोह में हल साल एक जाने–माने फिल्म निर्माता को आमंत्रित किया जाता है।

<u>शताब्दी पुरस्कार</u>

शताब्दी पुरस्कार रजत मयूर, प्रमाण–पत्र और रू 10,00,000/– का नकद पुरस्कार (किसी ऐसी फ़ीचर फिल्म को दिया जाता है जो सौंदर्य, तकनीक या प्रौद्योगिकीय नवाचार की दृष्टि में चलचित्रों में नए प्रतिमान दर्शाती हो)

3…

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह–2013 के लिए भारतीय पैनोरमा चयन के अंतर्गत 26 फ़ीचर फिल्में और 16 ग़ैर फ़ीचर फिल्में शामिल हैं।

क्र. सं.	फिल्म का शीर्षक	भाषा	निर्देशक
1.	101 चोड्यांगल	मलयालम	सिद्धार्थ सिवा
2.	अजना बातस	बंगाली	अंजान दास
3.	अपुर पंचाली	बंगाली	कौशिक गांगुली
4.	आर्टिस्ट	मलयालम	श्याम प्रसाद
5.	अस्तु	मराठी	सुमित्रा भवे/सुनील सुखतांकर
6.	बागा बीच	कोंकणी	लक्ष्मीकांत शेतगांवकर
7.	भारथ स्टोर्स	कन्नड़	पी शेषाद्रि
8.	सेल्युलॉइड	मलयालम	कमल
9.	फोरिंग–ड्रेगनफलाई	बंगाली	इंदिरानिल रायचौधरी
10.	फैंड्री	मराठी	नागराज मांजुले
11.	जाल	हिंदी	गिरीश मलिक
12.	कल्याका टाकीज़	मलयालम	के आर मनोज
13.	कोःयाड	मिसिंग	मंजु बोरा
14.	कुंजनथांतेकाडा	मलयालम	सलीम अहमद
15.	लिस्टेन अमाया	हिंदी	अविनाश कुमार सिंह
16.	मेघे ढाका तारा	बंगाली	कमलेश्वर मुखर्जी
17.	साला बुढा	उड़िया	सभ्यसाची महापात्र
18.	सत्यान्वेशी	बंगाली	ऋतुपर्णो घोष
19.	शिप ऑफ थेसेस	अंग्रेजी/हिंदी	आनंद गांधी
20.	शटर	मलयालम	जॉय मैथ्यू
21.	तपाल	मराठी	लक्ष्मण उतेकर
22.	दि कोफिन मेकर	अंग्रेजी/कोंकणी	वीणा बख्शी
23.	थंगामीनगल	तमिल	राम
24.	भाग मिल्खा भाग	हिंदी	राकेश ओमप्रकाश मेहरा
25.	ओएमजी ओह माई गॉड	हिंदी	उमेश शुक्ला
26.	पार सिंह तोमर	हिंदी	तिगमांशु धुलिया

ग़ैर–फ़ीचर फिल्म श्रेणी में, रंगभूमि (हिंदी, निर्देशकः कमाल स्वरूप) उद्घाटन फिल्म है। नीचे उन 16 ग़ैर–फ़ीचर फिल्मों की पूरी सूची दी गई है जिन्हें 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रदर्शित किया जाएगा।

4...

क्रम सं..	फिल्म का शीर्षक	भाषा	निर्देशक
1.	23 विंटर्स	कश्मीरी / हिंदी	राजेश एस जला
2.	ए ड्रीम काल्ड अमेरिका	हिंदी	अनूप सथायन
3.	बिहाइंड द मिस्ट	मलयालम	बाबु कम्बरथ
4.	बाई लेन 2	अंग्रेजी / असमी	उतपल दत्ता
5.	कंचे और पोस्टकार्ड	हिंदी	रिदम जानवे
6.	लाइट्स ऑन ए डोर गोपालकृष्णन	मलयालम / अंग्रेज़ी	प्रसन्ना रामास्वामी
7.	मकड़ा	मराठी	प्रांतिक नारायण बसु
8.	मणिपुरी पोनी	अंग्रेज़ी	अरिबाम श्याम शर्मा
9.	फाडा	(कुडुख क्षेत्र, झारखंड, छत्तीसगढ़)	निरंजन कुमार कुजुर
10.	रंगभूमि	हिंदी	कमल स्वरूप
11.	रेसानेंस ऑफ मदर्स मेलॉडी	अंग्रेज़ी	दीप भुयान
12.	सामा–मुस्लिम मिस्टिक म्यूजिक ऑफ इंडिया	हिंदी / अंग्रेजी	शाज़िया खान
13.	दि डंकीफेयर	हिंदी / गुजराती	राकेश शुक्ला
14.	वी. बाबासाहेब लाइफ इन फुल ओपन	मराठी / हिंदी / अंग्रेजी	अविनाश देशपांडे
15.	विशापरवम	मलयालम	विपिन विजय
16.	शेफर्ड ऑफ पैराडाइस	कश्मीरी (डोगरी एवं उर्दू)	राजा शबीर खान

हाल में सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं। उसने सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के प्रावधानों की समीक्षा के लिए मुद्गल समिति का गठन करते हुए फिल्म प्रतिमान के अधीन वैधानिक संरचना की समीक्षा करने का प्रयास किया है। समिति की सिफारिशें विचाराधीन हैं और रिपोर्ट को मंत्रालय की वेबसाइट पर डाल दिया गया है तथा इस पर राय मांगी गई हैं।